

Mentor Speaks !!!!

I.A.S. / HAS Officer बनने के लिये कुछ खास टिप्स !!!

सिविल सर्विसेज की तैयारी करने से पहले इस एग्जाम की फिलोसफी को समझना बहुत जरूरी है

क्योंकि दिन-रात पढ़ना, सैकड़ों किताबें पढ़ना इस एग्जाम में सफलता की गारंटी नहीं है

सफल व्यक्ति का भाषण ना सुनें – तैयारी करने वाले सबसे बड़ी गलती यह करते हैं कि वे हर सफल व्यक्ति का भाषण बड़े गौर से सुनते हैं और उसे कॉपी करने की कोशिश करते हैं जो बहुत घातक साबित होता है क्योंकि सफल व्यक्ति कभी भी पूरी ईमानदारी से अपनी पढ़ाई का तरीका नहीं बताता

वह हर चीज़ को बढ़ा-चढ़ाकर बताता है क्योंकि वह अपने आप को दूसरों से विशेष दिखाना चाहता है

हम जो देखते, सुनते और पढ़ते हैं वह हमेशा सही नहीं होता – इसलिए किसी की बात को सुनकर उसपर आँख करके विश्वास मत करो ...ना ही उसकी कॉपी करो

जो लोग कहते हैं कि उन्होंने 5 साल तक 18-18 घंटे मेहनत की तब IAS बन पाए हैं ...उनपर दया करो ...क्योंकि मुझे लगता है अगर किसी व्यक्ति को इस एग्जाम को क्लियर करने में इतना समय लगा तो उससे बड़ा गधा इस दुनिया में और कोई नहीं हो सकता

जबसे नया पैटर्न आया है यह परीक्षा इतनी आसान हो गई है कि अब 45% अंक लाने पर IAS टॉप कर जाते हैं और 38% मार्क्स आ जाने पर आपका IAS बनना पक्का होता है

कभी आपने सोचा कि लोग इस परीक्षा में इतना कम स्कोर क्यों कर पाते हैं ...ध्यान रखिये कि सिलेबस बनाने वाले ना तो मूर्ख हैं और ना ही आपके दुश्मन हैंअगर आप कम स्कोर कर रहे हैं तो इसका मतलब यह है कि आप इस एग्जाम को समझ ही नहीं पाए हैं

ये पक्का है कि UPSC आपकी मदद करने के लिए ही बैठा है ... पर सवाल यह है कि आप अपना हाथ आगे बढ़ा पा रहे हैं या नहीं

कुछ समय से लगातार यह हौआ बनाया जा रहा है कि सिविल सर्विसेज एक बहुत ही मुश्किल और कठिन एग्जाम हैऔर यह हौआ बनाने में मार्केट फोर्सेज का सबसे ज्यादा योगदान है ताकि डरकर आप सैकड़ों किताबें खरीदो

ग्रेजुएट राजा से बड़ा होता है- याद रखिये आप 'स्नातक' हैं पर आजकल आप स्नातक की मर्यादा की रक्षा नहीं कर पाते ...उपनिषद में एक सन्दर्भ है कि जब किसी स्नातक की सवारी निकलती थी तो राजा अपनी सवारी सड़क के किनारे रोककर स्नातक को रास्ता देते थे

यदि आप में स्नातक हैं तो आपको सिविल सर्विसेज की तैयारी के लिए किसी की मदद की जरूरत नहीं है

पर आजकल परेशानी यह है कि लोग केवल परीक्षा में अंक लाने के लिए पढ़ते हैं कुछ सीखने के लिएमेरा दावा है कि अगर आपको अपनी 12 वीं तक की पूरी पढ़ाई याद है तो कोई भी आपको सिविल सर्विसेज क्वालीफाई करने से नहीं रोक सकता

सिविल सर्विसेज के एग्जाम में 12 वीं तक का ज्ञान व एक ग्रेजुएट की विचार क्षमता का परीक्षण किया जाता है

इस परीक्षा में आपसे वही पूछा जाता है जिसकी अपेक्षा एक सामान्य व्यक्ति से की जा सकती है

हर काम को करने से पहले अपने आप से यह सवाल पूँछिये कि आप यह काम क्यों कर रहे हैं

सिविल सर्विसेज की तैयारी में 'ध्येय' महत्वपूर्ण है ना कि वहां पहुँचने का तरीका ...इसलिए तैयारी का कोई तरीका सटीक नहीं है ...आपकी नज़र ध्येय पर होनी चाहिए रास्ता अपने आप बनता जाता है

IAS ज्ञान की परीक्षा नहीं है – सिविल सर्विसेज में आपका ज्ञान नहीं जांचा जाता बल्कि आपमें वह काबिलियत देखी जाती है जो एक सिविल सेवक में होना चाहिए

जो पढ़ते हैं वह आगे कभी काम नहीं आता – IAS की तैयारी के लिए आप जो भी विषय पढ़ते हैं चयनित हो जाने के बाद वो कहीं काम नहीं आतेअगर कुछ काम आता है तो वह है आपकी स्किल्सइसीलिये यह परीक्षा आजकल ज्ञान की जगह व्यक्तित्व की परीक्षा बन गई है

UPSC के किसी फॉर्म में आपसे ये कभी नहीं पूँछा जाता कि आपने कौन सी किताबें पढ़ी हैं या आप दिन में कितने घंटे पढ़ते थेबल्कि यह पूँछा जाता है कि आपकी हाबीज क्या हैं क्योंकि आपकी हाबीज ही आपके व्यक्तित्व की पहचान हैं

ज्ञानी व्यक्ति बहुत बुरे प्रशासक होते हैं – जो व्यक्ति बहुत ज्ञानी होते हैं वो सामान्यतः अच्छा प्रशासन नहीं चला पाते इसलिए यह परीक्षा सबसे ज्यादा ज्ञानी लोगों की खोज करने के लिए नहीं है

ज्ञानी ही चाहिए होते तो यूनिवर्सिटी टॉपर को ही सीधे IAS बना देते – कितना आसान था UPSC के लिए भी ...अगर उन्हें देश के सबसे ज्ञानी लोगों को IAS बनाना होता तो वे परीक्षा कराने की वजाय सीधे हर यूनिवर्सिटी के टॉपर को ही IAS बना देते

अनपढ़ अकबर देश का सबसे अच्छा प्रशासक था – अकबर तो बिलकुल पढ़ा लिखा नहीं था पर उसके शासन को देश के सबसे बेहतरीन प्रशासन के लिए जाना जाता है ...यहाँ तक कि उस समय देश के सबसे बेहतरीन विद्वान् भी उसके नवरत्नों में शामिल थे और अकबर उनके ज्ञान का प्रशासन चलाने में इस्तेमाल करता थाक्योंकि अकबर में प्रशासनिक क्षमता अच्छी थी

कोई अर्थशास्त्री आज तक सफल व्यवसायी नहीं बन पाया – बड़े बड़े अर्थशास्त्री जिन्होंने बिजनेस बढ़ाने की बड़ी बड़ी तरकीबें सुझायींकभी अच्छे व्यवसायी नहीं बन पाएक्योंकि उनमें किताबी ज्ञान ज्यादा और व्यवहारिक ज्ञान कम था

सिविल सर्विसेज आपके व्यवहारिक ज्ञान की परीक्षा है। व्यवहारिक ज्ञान आपके ऑब्जरवेशन, अनुभव, विश्लेषण और कॉमनसेंस से मिलकर बनता है

जो प्रश्न उठाना नहीं जानता व IAS नहीं बन सकता – हर बात जो आप सुनते देखते या देखते हैं उस पर प्रश्न उठाइये...उस पर शक कीजिये ...और जब तक पूरी तरह संतुष्ट ना हो जाएँ तब तक उसे ना मानिए

सिविल सर्वेन्ट्स में दो सबसे बड़े गुण होते हैं – ओरिजिनैलिटी और डिजीजन मेकिंग

UPSC आपमें वह रॉ मटेरियल ढूँढती है जिसे आगे चलकर एक बेहतरीन प्रशासक के रूप में ढाला जा सके

IAS की तैयारी मतलब आ बैल मुझे मार – सिविल सर्विस में आने का मतलब है अपने सिर पर और जिम्मेदारियां लेनायदि आप जिम्मेदारियों से बचना चाहते हैं या अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों को ही अच्छे से पूरा नहीं कर पा रहे हैं तो कृपया इस फील्ड में ना आयें

देखें ..आप बदलाव के लिए कितने तैयार हैं – सिविल सेवक बनने की चाहत रखने का अर्थ है आप अपनी वर्तमान पहचान बदलकर सिविल सेवक के रूप में पचाने जाना चाहते होयाद रखिये कि अगर आप अपनी इमेज बदलना चाहते हैं तो आपको उसके लिए स्वयं में बहुत बदलाव करने की जरूरत हैक्या आप इन बदलावों के लिए तैयार हैं

जो पूछा जाता है वह किताबों में नहीं है – सिविल सर्विसेज में जो पूछा जाता है वह किताबों में नहीं होताक्योंकि यहाँ वह पूछा जाता है जो अभी चल रहा है

चयन इस आधार पर कि आप नया क्या सोच पाते हैं – सिविल सर्विसेज में आपका चयन इस बात पर निर्भर करता है कि आप किसी भी विषय पर क्या नया सोच पाते हैंऔर कुछ भी नया आप तब सोच पाते हैं जब आप अपना खुद का ऑब्जरवेशन विकसित करते हैं और अपने ऑब्जरवेशन को तार्किक तरीके से लोगों के सामने रख पाते हैं

सरल' सबसे कठिन होता है – IAS में आजकल बहुत आसन प्रश्न पूछे जाते हैं जिनके उत्तर सबको आते हैं पर सब लिखते अलग अलग हैंआपके यही उत्तर आपको दूसरों से अलग दिखाते हैं